

मुहा. अठखेली सूझना- स्थिति की गंभीरता के विपरीत चुलबुलापन प्रकट करना।

अठत्तर वि. (तद्.) दे. अठहत्तर।

अठन्नी स्त्री. (तद्.) 1. भारत में पूर्व-प्रचलित एक रुपए के आधे मूल्य का (आठ आने मूल्य) का सिक्का, (अब) पचास पैसे का सिक्का।

अठपेजी वि. (दे.आठ+अं.पेज) 1. पूरे आकार के कागज़ (ताव) पर प्रकाशित पुस्तकांश जिसकी तीन तह करने पर 8 या 16 पृष्ठ होते हैं 2. आठ पृष्ठ वाली।

अठमासा वि. (तद्.) 1. जो आठ महीने में संपन्न हो 2. जो गर्भ के आठवें मास में ही पैदा हो जाए पुं. 1. वह खेत जिसमें आठ महीने तक (ईख की) फसल खड़ी रहती हैं 2. गर्भ के आठवें मास में होने वाला सीमांत संस्कार।

अठलाना अ.क्रि. (देश.) 1. ँंठ दिखाना, इतराना, इठलाना, गर्व जताना, ठसक दिखाना 2. चोंचले करना, नखरे करना 3. मदोन्मत्त होना, मस्ती दिखाना 4. छेड़ने के लिए जानबूझ कर अनजान बनना दे. इठलाना।

अठवारा पुं. (तद्.) 1. आठ दिन का पूरा समय 2. पक्ष का आधा भाग 3. सप्ताह।

अठहत्तर वि. (तद्.) सत्तर और आठ के योग से निर्मित संख्या, (78)।

अठहत्तरवाँ वि. (तद्.) क्रमवाचक संख्या जिसका स्थान सतहत्तरवें के बाद है।

अठान वि. (देश.) 1. न ठानने योग्य, अकरणीय (कार्य) 2. अयोग्य या अनुचित (कर्म) 3. शरारत पुं. वैर, विरोध।

अठानवे वि. (तद्.) वह संख्या जिसका योग नब्बे और आठ (98) हो।

अठाना स.क्रि. (तद्.) 1. सताना, पीड़ित करना, दुराग्रह करना 2. ठानना, छेड़ना, तंग करना।

अठारह वि. (तद्.) दस और आठ के योग से बनी संख्या, (18)।

अठारहपेजी वि. (तद्.+देश.) 1. पुस्तक का वह माप जिसमें प्रत्येक पन्ना पूरे ताव का अठारहवां भाग हो 2. अठारह पृष्ठ वाला।

अठारहवाँ वि. (तद्.) क्रमसूचक संख्या जिसका स्थान सत्रहवीं संख्या के बाद है।

अठावन वि. (तद्.) वह संख्या जिसका योग पचास और आठ हो।

अठावनवाँ वि. (तद्.) वह क्रमवाचक संख्या जिसका स्थान सत्तावन के बाद हो।

अठासी वि. (तद्.) अस्सी और आठ के योग की सूचक संख्या (88) है।

अठासीवाँ/उठासीवाँ वि. (तद्.) क्रमसूचक संख्या जिसका स्थान सत्तासीवीं संख्या के बाद है।

अठोठ पुं (देश.) आडंबर, पाखंड।

अठोत्तर सौ वि. (तद्.) जो सौ से आठ अधिक हो, एक सौ आठ।

अठोत्तरी स्त्री (तद्.) अष्टोत्तरी, सौ से आठ अधिक (अर्थात् 108) दानों की माला।

अठौरा पुं. (तद्.) एक पत्ते में बंधे पान के आठ बीड़े।

अड़ स्त्री. (देश.) हठ, टेक, जिद, अड़ने की स्थिति।

अड़ंग पुं. (देश.) दे. अड़ंगा।

अड़ंगा पुं. (देश.) अड़चन, रुकावट, हस्तक्षेप।

अड़काना स.क्रि. (देश.) दे. अड़ाना।

अड़गोड़ा पुं. (देश.) लकड़ी का एक टुकड़ा जिसके एक सिरे पर छेद करके उसे नटखट चौपायों के गले में बाँधते हैं, जो दौड़ने पर उनके अगले पैरों पर लगता है, जिसके कारण वे तेज नहीं भाग पाते।

अड़चन स्त्री. (देश.) रुकावट, बाधा, अवरोध।

अड़डंडा पुं. (देश.) लकड़ी या बाँस का डंडा जिसके दोनों छोरों पर लट्टू बने रहते हैं। यह डंडा मस्तूल पर चिड़ियों के अड़्डे की तरह बाँधा रहता है, इसी पर पाल चढ़ाई जाती है।